www.bhavishydarpannews.com Email - dainikbhavishydarpan@gmail.com दर्पण की तरह निष्पक्ष खबरें

सुविचार

जीवन में विजेता कुछ अलग नहीं करते परंतु वह चीजों को ही अलग तरीके से करते हैं।

दैनिक भविष्य दर्पण

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन सें प्रकाशित

तापमान

उच्चतम
30 डिग्री सेल्सियस
न्यूनतम
23 डिग्री सेल्सियस

❖ वर्ष : 01 ❖ अंक: 03 उज्जैन, मंगलवार, दिनांक - 03 सितम्बर 2024 ❖ कुल पृष्ठ: 8 ❖ मूल्य : 1/- रूपये

शाही सवारी में गूंजी भक्तों की करुण पुकार

भक्तों ने किए बाबा महाकाल के सात स्वरूपों के दर्शन

भविष्य दर्पण ➢ नगर प्रतिनिधि

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर भगवान की श्रावण-भाद्रपद महीने में निकलने वाली सवारी के क्रम में 7वें सोमवार को सभा मंडप में हुए पूजा दर्शन के बाद बाबा महाकाल की सवारी नगर भ्रमण पर निकली। महाकाल की सवारी में शामिल होने सिंधिया राजवंश के प्रमुख केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया उज्जैन पहुंचे। सैंकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक गणेश कुमार धाकड़ ने बताया कि भाद्रपद महीने की दूसरी और अंतिम सवारी दो सितंबर को (प्रमुख) शाही सवारी के रूप में निकलेगी। इस दौरान रजत पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर शिवतांडव, नन्दी रथ पर उमा-महेश और डोल रथ पर होल्कर स्टेट के मुखारविंद, श्री घटाटोप मुखोटा स्वरुप व सप्तम सवारी में श्री सप्तधान का मुखारविंद सम्मिलित रहा।

भगवान श्री महाकालेश्वर की शाही सवारी निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभा मंडप में विधिवत भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर का पूजन-अर्चन महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा द्वारा करवाया गया। इस दौरान प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, संभाग आयुक्त संजय गुप्ता, आईजी संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा, निगम आयुक्त आशीष पाठक बाबा महाकाल का पूजन अर्चन किया। उसके बाद बाबा महाकाल के साथ स्वरूप रजत पालकी में विराजित होकर अपनी प्रजा के हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकले।

मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के द्वारा पालकी में विराजित भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दिया गया। श्री चन्द्रमौलेश्वर की पालकी अपने निर्धारित समय से प्रारंभ होकर कोट मोहल्ला, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार चौराहा, कहारवाड़ी, हरसिद्धीपाल से रामघाट पहुंचेगी। रामघाट पर पालकी में विराजित भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर एवं गजराज पर आरूढ़ श्री मनमहेश के मां क्षिप्रा के तट पर पूजन-अर्चन व आरती की जाएगी।

वारी दोबारा रामानुजकोट, बंबई वाले की धर्मशाला, गणगौर दरवाजा, खाती समाज का श्री जगदीश मंदिर, श्री सत्यनारायण मंदिर, कमरी मार्ग, टंकी चौराहा, तेलीवाडा, कंठाल, सतीमाता मंदिर, छत्री चौक, श्री गोपाल मंदिर पर पहुंचेगी। जहां सिंधिया स्टेट द्वारा पररम्परानुसार पालकी में विराजित भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर का पूजन किया जाएगा। उसके बाद सवारी पटनी बाजार, गुदरी चौराहा, कोट मोहल्ला, महाकाल चौराहा होते हुए मंदिर परिसर में पहुंचेगी। श्री महाकालेश्वर भगवान की प्रमुख सवारी (शाही सवारी) के चल समारोह में सबसे आगे मंदिर का प्रचार वाहन चला। उसके बाद यातायात पुलिस, तोपची, भगवान श्री महाकालेश्वर जी का रजत ध्वज, घुड़सवार, विशेष सशस्त्र बल सलामी गार्ड, स्काउट/गाइड सदस्य, कांग्रेस सेवा दल, सेवा समिति बैंड के बाद उज्जैन के अतिरिक्त मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों से परंपरागत रूप से सवारी सम्मिलित होने वाली 70 भजन मंडलियां चल समारोह में प्रभु का गुणगान करते हुए व अपनी सेवाएं देती हुई चली। 70 भजन मंडलियों के बाद नगर के साधू-संत व गणमान्य नागरिक, पुलिस बैंड, नगर सेना के सलामी गार्ड की टुकड़ी, श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी व पुरोहितगण सवारी के साथ रहे। उनके बाद श्री महाकालेश्वर भगवान (श्री चंद्रमौलेश्वर) की प्रमुख पालकी, भारत बैंड, श्री गरुड़ रथ पर श्री शिव-तांडव जी, रमेश बैंड, नंदी रथ पर श्री उमा महेश स्वरुप, गणेश बैंड, रथ पर श्री होल्कर स्टेट मुखारविंद, आरके बैंड, रथ पर श्री घटाटोप जी, रथ पर श्री सप्तधान मुखारविंद के पश्यात राजकाल मुजिकल ग्रुप बैंड व श्री मनमहेश स्वरुप हाथी पर विराजित हुए। सवारी के साथ एम्बुलेंस, विद्युत मंडल का वाहन, फायर ब्रिगेड आदि भी सुरक्षा की दृष्टि से सम्पूर्ण सवारी मार्ग में साथ मे चलेंगे। श्री महाकालेश्वर भगवान की 7वें सोमवार की सवारी में भी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप जनजातीय लोककला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के माध्यम से भगवान श्री महाकालेश्वर जी की सवारी में जनजातीय कलाकारों का दल भी सहभागिता की। सातवें सोमवार सवारी के क्रम में प्रमुख (शाही) सवारी में मध्यप्रदेश के लालपुर, डिंडौरी जिले का आदिवासी धुलिया जनजाति गुदुम बाजा लोक नर्तक दल दिनेश कुमार भार्वे के नेतृत्व में पालकी के आगे भजन मंडलियों के साथ अपनी प्रस्तुति देते हुए चला।

2000 पुलिस अधिकारी कर्मचारी संभाल रहे व्यवस्था

भगवान महाकालेश्वर की शाही सवारी को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा क्राउट मैनेजमेंट के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के इंतजामों की तैयारियां की गई थी। शाही सवारी में 2000 पुलिस अधिकारी कर्मचारी व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं। इसके लिए भोपाल से अतिरिक्त फोर्स बुलाया गया है। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि शाही सवारी की सुरक्षा व्यवस्था में 2000 पुलिसकर्मी तैनात हैं। इसके अलावा सवारी मार्ग के ऊंचे भवनों से भी पुलिस द्वारा नजर रखी जा रही है। 10 ड्रोन कैमरों से भी संदिग्धों पर नजर है। शाही सवारी की व्यवस्था के लिए 100 महिला पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है।

शिप्रा तट पर होमगार्ड जवान तैनात

श्रद्धालुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिला सेनानी संतोष कुमार जाट ने शिप्रा के विभिन्न घाटों के निरीक्षण उपरांत कार्यालय में स्थित ईओसी कक्ष में मीटिंग आयोजित कर घाट सुरक्षा व्यवस्था हेतु अधिकारी/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर आधिकारी एवं कर्मचारियों की घाटवार जिम्मेदारी सुनिश्चत की। घाट सुरक्षा व्यवस्था हेतु उज्जैन से होमगार्ड/एसडीईआरएफ के 140 अधिकारी/कर्मचारियों एवं जवानों की तैनाती शिप्रा के विभिन्न घाटों पर आठ मोटरबोट, 150 लाइफबाय, 180 लाइफ जैकेट सहित अन्य आवश्यक आपदा उपकरण के साथ शिफ्टवार दो दिवस के लिए की गई है।

भारतीय जनता पार्टी नगर में शुरू हुआ सदस्यता अभियान

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अधिक से अधिक सदस्य बनाने का कार्यकर्ताओं से किया आव्हान

भविष्य दर्पण ➢ नगर प्रतिनिधि

उज्जैन। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व का शुभारंभ सोमवार को नई दिल्ली में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी ने सदस्यता दिलाकर किया, जिसका प्रदेश भर में लाइव प्रसारण हुआ। इसी क्रम में उज्जैन नगर में भी सदस्यता अभियान का शुभारंभ हुआ । मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा के अनुसार महाकाल की शाही सवारी के अवसर पर पधारे केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने नगर उपाध्यक्ष उमेश सेंगर के स्वागत मंच से कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व सदस्यता अभियान की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। आज से भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान प्रारंभ हो रहा है। आप सभी से में आव्हान करता हूं कि आप सभी तन मन लगाकर इस सदस्यता अभियान में अधिक से अधिक लोगों को सदस्य बनाएं और स्वयं भी सदस्य बने। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक सतीश मालवीय, नगर अध्यक्ष विवेक जोशी, ग्रामीण जिलाध्यक्ष बहादुरसिंह बोरमुंडला, महापौर मुकेश टटवाल, निगम सभापति कलावती यादव, संजय अग्रवाल, विशाल राजोरिया, सदस्यता अभियान प्रभारी सत्यनारायण खोईवाल, उमेश सेंगर, धनजंय शर्मा, संजय ठाकुर सहित कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे ।

आने वाले दिनों में अच्छी बरसात होने की संभावना

उज्जैन। दो दिन की तेज धूप उमस के बाद रविवार शाम को जोरदार बरसात ने शहर को तरबतर कर दिया। हालांकि 24 घंटे में एक इंच से कुछ अधिक वर्षा हुई है। सोमवार को सुबह से बादल सुबह से बादल छाए हैं। उधर मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में अच्छी बरसात की संभावना जाहिर की है। इससे उम्मीद है कि इस माह में बरसात का औसत कोटा (36 इंच) पूरा हो जाएगा। सोमवार को सुबह से बादल छाए हैं। जबकि पहले ही दिन दोपहर में जमकर पानी बरसा। करीब एक घंटे में एक इंच से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। तेज बारिश से कई इलाकों की सडक़ों पर पानी भर गया। सितंबर के शुरुआती 10 दिन इसी तरह पानीदार रहने वाले हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बना एक सिस्टम पश्चिमी मध्यप्रदेश में सक्रिय है। यह 4 सितंबर तक असर दिखाएगा। फिर 6 सितंबर से एक और सिस्टम सक्रिय हो जाएगा। शहर में इस सीजन की 27 इंच से अधिक बारिश हो चुकी है।

संपादकीय

मौका देखते ही सियासी चौका मारने में माहिर तेजस्वी अचानक भूमिहारों के साथ खड़े हो गए

पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव अब मंजे हुए नेता बन गए हैं। वे मौका देखते ही चौका मारने में कभी पीछे नहीं हटते। इस बार उन्हे घर बैठे ही भूमिहारों को अपने खेमे में करने का मौका मिला है। ये मौका दिया है बिहार के मंत्री और जदयू नेता अशोक चौधरी ने। चौधरी के बयान पर जेडीयू के अंदर ही 2 गुटों के बीच जुबानी जंग छिड़ गयी है। भूमिहारों को लेकर बयान को लेकर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने अशोक चौधरी पर तीखा हमला बोला है। वहीं इन सबके बीच राजनीति की सही टाइमिंग को समझते हुए तेजस्वी यादव अचनाक से भूमिहारों के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू का चरित्र ही जातीय उन्माद फैलाने का हैं। उनके एक सांसद डंके की चोट पर कहते है कि कुशवाहा, मुसलमान और यादव का कोई काम नहीं करेंगे। इनके एक मंत्री कहते हैं कि भूमिहार ने वोट नहीं दिया और समाज को लेकर आपतिजनक बातें कही। लोकतंत्र में अगर कोई किसी को वोट नहीं देता तो क्या 19 वर्षों से सरकार में बैठे जदयू के नेता और उनके मुखिया उन जातियों का तिरस्कार करेंगे? नीतीश सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने जहानाबाद में जनता दल यूनाइटेड के क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के दौरान भूमिहार जाति पर तीखा बयान देकर न सिर्फ विवाद खड़ा किया है, बल्कि बिहार की राजनीति में उबाल ला दिया है। उन्होंने कहा मैं भूमिहार जाति को अच्छे से जानता हूं जब लोकसभा चुनाव हुआ तो इस जाति के लोग नीतीश कुमार का साथ छोड़कर भाग गए। अशोक चौधरी ने आगे कहा कि अगर किसी उम्मीदवार ने किसी के दरवाजे पर दो-तीन बार दस्तक दी तो भी वह खराब माना जाता है, जबकि अगर वही उम्मीदवार भूमिहार जाति का हो और उसने यह काम कभी ना किया हो तो उसे अच्छा माना जाता है। अशोक चौधरी ने लोकसभा चुनाव में जनता दल युनाइटेड के उम्मीदवार चंदेश्वर चंद्रवंशी को भूमिहार समुदाय का समर्थन न मिलने के संदर्भ में बात कर रहे थे। अशोक चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार ने भूमिहारों के गांव में सड़कें बनवाईं, लेकिन जब अति पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार को टिकट दिया तो भूमिहारों ने समर्थन देने से हाथ खींच लिया। अशोक चौधरी ने लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी प्रत्याशी का विरोध करने वाले भूमिहार नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जब पार्टी ने सिंबल दे दिया तो फिर विरोध किस बात का? मंत्री ने कहा कि आने वाले विधान सभा चुनाव में ऐसे लोगों को पार्टी अहमियत नहीं देगी जो लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली और मुंबई घूम रहे थे।

असम तृणमूल कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रिपुन बोरा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया

असम में तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में तृणमूल कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रिपुन बोरा ने पार्टी से इस?तीफा दे दिया। साथ ही उन्होंने दावा किया कि पूर्वोत्तर राज?य के लोग टीएमसी को पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय पार्टी मानते हैं और इसे अपनाने के लिए तैयार नहीं हैं। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी को लिखे पत्र में पूर्व राज्यसभा सदस्य ने कहा कि उन्होंने पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को असम में टीएमसी को ''स्वीकार्य बनाने के लिए कई सुझाव दिए थे, लेकिन उन पर कोई काम नहीं किया गया। बोरा ने अपने त्यागपत्र में कहा, ''टीएमसी की असम इकाई में काफी संभावनाएं हैं, लेकिन बार-बार सामने आने वाले कुछ मुद्दों ने हमारी प्रगति में बाधा उत्पन्न की है, जिसमें पार्टी को पश्चिम बंगाल की एक क्षेत्रीय पार्टी के रूप में देखना भी शामिल है। इस धारणा को दूर करने के लिए हमने कई सुझाव दिए थे। बोरा ने दावा किया कि उन्होंने टीएमसी के राष्ट्रीय स्तर पर एक असमिया नेता को शामिल करने, कोलकाता के टॉलीगंज में भारत रत्न डॉ। भूपेन हजारिका के आवास को एक विरासत स्थल घोषित करने और कूचबिहार में मधुपुर सत्र को एक सांस्कृतिक केंद्र में परिवर्तित करने का सुझाव दिया था। असम के पूर्व मंत्री बोरा ने कहा, इन चिंताओं को दूर करने के लिए आपसे (अभिषेक) और हमारी प्रमुख ममता दीदी से मुलाकात करने के लिए पिछले डेढ़ साल से मैंने लगातार प्रयास किया, लेकिन मैं असफल रहा हूं।

हमले के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने त्रिशूल के साथ

फोटो किया पोस्ट, लिखा हमारा गौरव

अपने बयानों के लिए चर्चा में रहने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर शनिवार को एक युवक ने हमले की कोशिश की। इसके बाद मंत्री के तेवर कुछ बदलते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया से लेकर मीडिया से बातचीत के दौरान वह अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर एक फोटो पोस्ट किया है। इस फोटो में वह त्रिशूल के साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को अब तक 97 हजार से ज्यादा लोगों ने देखा है और 10 हजार से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है। बता दें कि उन पर हमला तब हुआ जब वह जनता दरबार में लोगों की बात सुन रहे थे। घटना बेगूसराय के बलिया प्रखंड की है। सुरक्षकर्मियों ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद सैफी के रूप में की गई है। अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले मंत्री इस हमले के बाद तल्ख नजर आ रहे हैं। हालांकि फोटो में उनके हाथ में त्रिशूल जरूर है लेकिन। उनकी भाव-भंगिमाएं काफी शांत है। हमेशा की तरह उन्होंने अपने माथे पर महाकाल लिखा टोपी पहन रखा है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा 'त्रिशूल हमारा गौरव व स्वाभिमान है। हम-आप सब जब त्रिशूल की रक्षा करेंगे तो त्रिशूल से भी हमारी रक्षा होगी। धर्म के रक्षार्थ यह आवश्यक भी है और हमारा कर्तव्य भी है।' कई लोग इस पोस्ट के राजनीतिक मायने निकाल रहे हैं। अपने ऊपर हुए कथित हमले पर गिरिराज सिंह ने कहा था कि 'इस चुनाव में बेगूसराय में मुसलमानों का मेरे प्रति जो रवैया रहा और जो नतीजे आए, उसके अनुसार योगी आदित्यनाथ ने सही कहा कि बटोगे तो कटोगे। अगर इस आदमी के हाथ में रिवॉल्वर होता तो जिस तरह से इसने हमला किया, उसी तरह से मुझे मार भी देता। इसने बहुत ही अभद्र भाषा का इस्तेमाल कियाज मैं अपना काम जारी रखूंगा, मैं अपने लक्ष्य से नहीं भटकूंगा, मैं किसी की धमकी से नहीं डरूंगा, मैं अपना अभियान जारी रखूंगा। चाहे कितने भी आतंक फैलाने वाले लोग आ जाएं, मुझ पर इसका कोई असर नहीं होगाज मेरे क्षेत्र में मुसलमानों ने इतना विरोध प्रदर्शन किया, उसी का नतीजा है कि इनकी इतनी हिम्मत आ गई कि जब मैं जनता दरबार में था, तो सारे एसडीओ,डीएसपी की मौजूदगी के बावजूद इसने इतनी बदतमीजी से पेश आया।

कोई भी पार्टी जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों को कभी नहीं छीन सकती

केंद्रीय मंत्री और जम्मू कश्मीर बीजेपी के चुनाव प्रभारी जी किशन रेड्डी ने कहा है कि धारा 370 मुहम्मद अली जिन्ना के संविधान को दर्शाती थी। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने इसे हटाकर बाबा साहब का संविधान लागू कर दिया है। जम्मू पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी उम्मीदवार अरविंद गुप्ता के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि हमने जिन्ना के संविधान-धारा 370 को हटा दिया है और बाबा साहेब के संविधान को लागू किया है। केंद्रीय मंत्री ने धारा 370 को बहाल करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के वादों की भी निंदा की और इसे दोहरे झंडे की वापसी के साथ आतंकवादियों को सशक्त बनाने की साजिश बताया। उन्होंने तर्क दिया कि जम्मू-कश्मीर के लोग पंचायती राज संस्थाओं और नगर निगमों जैसे निकायों को मजबूत करने के हक में हैं। उन्होंने मतदाताओं से वंशवादी राजनीति के बजाय समृद्धि और विकास को चुनने की अपील की।

शिवाजी की मूर्ति गिरने के खिलाफ महाराष्ट्र विकास अघाड़ी का प्रदर्शन

महाराष्ट्र के कोल्हापुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के विरोध में आज रविवार को महाविकास अघाड़ी मुंबई में प्रदर्शन कर रही है। इसे जोड़े मारो (जूता मारो) आंदोलन नाम दिया गया है। एमवीए ने साउथ मुंबई के हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक पैदल मार्च निकाला। इसमें उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, शरद पवार, सुप्रिया सुले, नाना पटोले समेत एमवीए की तीनों पार्टियों के बड़े नेता शामिल हुए। इस दौरान उद्धव ने सीएम शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के पोस्टर पर चप्पल मारी। उन्होंने कहा- मोदी की माफी अहंकार से भरी थी। वहीं, शरद पवार ने कहा- मूर्ति गिरना भ्रष्टाचार का उदाहरण है। इधर, सीएम शिंदे ने कहा कि विपक्ष मामले पर राजनीति कर रहा है। जनता सब देख रही है। आने वाले चुनाव में महाराष्ट्र की जनता इन्हें जूतों से पीटेगी। भाजपा ने भी विपक्ष के प्रदर्शन के खिलाफ मुंबई में प्रोटेस्ट किया है। एमवीए के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेता प्रसाद लाड बोले कि हम छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति अपने प्रेम और सम्मान को व्यक्त कर रहे हैं। महा विकास अघाड़ी एक नैरेटिव बना रहा है। हम उस नैरेटिव के खिलाफ विरोध कर रहे हैं। विपक्ष चुनावों को लेकर लाभ उठाना चाहता है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र जो कुछ भी चल रहा है कि इसे मैं राजनीति नही मानता हूं। इस गलती को माफी नही है। अपना दुख व्यक्त करने के लिए हमने गेट वे ऑफ इंडिया चुना है। यहां से भाजपा का गेट आउट ऑफ इंडिया करना है। मोदी ने माफी क्यों मांगी? पुतला गिरे इसके लिए या प्रतिमा में भ्रष्टाचार हुआ इसके लिए माफी मांगी है। मोदी किस-किस के लिए माफी मांगेंगे। जल्दबाजी में चुनाव के लिए राम मंदिर का उद्घाटन किया, संसद भवन का उद्घाटन किया सब से पानी टपक रहा है।

सितंबर में इस दिन करें मशीन

गाड़ी और औजार की पूजा, कभी नहीं मिलेगा धोखा!

भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का सृजनकर्ता और प्रथम शिल्पकार के रूप में जाना जाता है. माना जाता है कि ब्रह्माजी के कहने पर विश्वकर्मा ने दुनिया बनाई थी. उन्होंने ही भगवान कृष्ण की द्वारका से लेकर शिवजी का त्रिशूल और हस्तिनापुर बनाया था. विश्वकर्मा जयंती के दिन लोग अपने दफ्तर, कारखाने, दुकान, मशीन, औजार की पूजा करते हैं. भगवान ब्रह्मा के 7 वें पुत्र विश्वकर्मा की जयंती हर साल 17 सितंबर को मनाई जाती है. धार्मिक मान्यता के अनुसार जब भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की थी उसे सजाने, सवांरने और निर्माण करने का कार्य विश्वकर्मा को ही दिया था. विश्वकर्मा को देवताओं का शिल्पी भी कहा जाता है. हर साल 17 सितंबर को बड़े छोटे कारखानों, उद्योगों, कंपनियों, दुकानों आदि में विश्वकर्मा की पूजा की जाती हैं. धार्मिक ग्रंथ ऋग्वेद के अनुसार विश्वकर्मा की पूजा करने से कारोबार, संपत्ति आदि में बढ़ोतरी होती है जिससे व्यक्ति को अधिक धन लाभ होता है.

कौन है भगवान विश्वकर्मा?

हरिद्वार के ज्योतिषी पंडित श्रीधर शास्त्री से ने लोकल 18 को बताया कि भगवान ब्रह्मा के 7 वें पुत्र विश्वकर्मा की जयंती हर साल 17 सितंबर को मनाई जाती है. भगवान विश्वकर्मा को ही सृष्टि का पहला वास्तुकार, शिल्पकार और इंजीनियर माना जाता है. इस दिन भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और नौकरी व व्यापार में उन्नति के योग बनते हैं. साथ ही इस दिन मशीन, औजार और वाहन आदि की पूजा करने से वे कभी बीच काम या वक्त बेवक्त धोखा नहीं देते, जिससे काम आसानी से पूरे हो जाते हैं. साथ व्यापार या निर्माण आदि संबंधित कार्यों में कोई रुकावट नहीं आती है. 17 सितंबर को विधि विधान से विश्वकर्मा पूजा की जाए तो उद्योग, कारोबार, संपत्ति आदि में बढ़ोतरी होती है और अधिक धन लाभ होता है.

एकमात्र शिवालय जहां शिवलिंग के उपर नहीं है छत

जानें ताड़केश्वर मंदिर का इतिहास

ताड़केश्वर महादेव मंदिर, गुजरात के वलसाड जिले में स्थित एक प्रसिद्ध शिव मंदिर है, जो अपनी अनोखी वास्तुकला और शयनित शिवलिंग के लिए विशेष रूप से जाना जाता है. इस मंदिर की खास बात यह है कि इसके ऊपर कोई छत नहीं है, और सूर्य की सीधी किरणें शिवलिंग पर पड़ती हैं. हर श्रावण माह में यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है, जो भक्तों के बीच एक महत्वपूर्ण आकर्षण का केंद्र है.

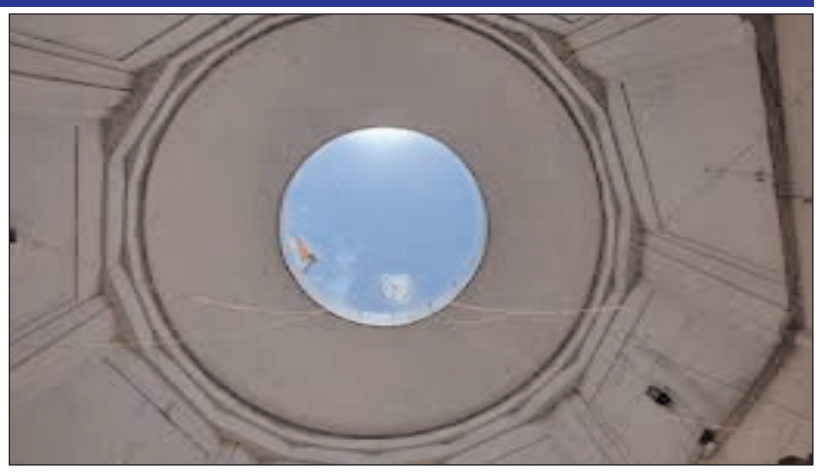

ताड़केश्वर महादेव मंदिर का इतिहास

यह मंदिर वलसाड के अब्रामा गांव में वेंकी नदी के तट पर स्थित है और इसकी स्थापना लगभग 800 साल पहले हुई थी. मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा के अनुसार, एक चरवाहा जंगल में अपनी गायों को चरा रहा था, जब उसने देखा कि उसकी गाय एक चट्टान पर अनायास दूध उगल रही है. यह दृश्य देखकर उसने ग्रामीणों को बुलाया, जिन्होंने उस स्थान की जांच की और एक बड़ी शिला पाई. इसके बाद, एक भक्त प्रतिदिन इस शिला पर दूध का अभिषेक करने लगा.कहा जाता है कि शिवजी ने उस भक्त को स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि वे उसकी भक्ति से प्रसन्न हैं और उसे उस शिला को कीचड़ से निकालकर उचित स्थान पर स्थापित करने का निर्देश दिया. ग्रामीणों ने शिवलिंग की खुदाई शुरू की और बहुत सावधानी से इसे निकाला, जिससे 6 से 7 फीट लंबा शिवलिंग प्रकट हुआ. इस शिवलिंग को बैलगाड़ी में लादकर आज के स्थान पर लाया गया, जहां इसे स्थापित किया गया.

ताड़केश्वर महादेव नाम का उद्भव

स्थापना के बाद, शिवलिंग की सुरक्षा के लिए एक अस्थायी दीवार और घास की छत बनाई गई, लेकिन कुछ ही दिनों में वह छत जल गई. जब ग्रामीणों ने ट्यूबलर छत बनाने की कोशिश की, तो वह भी तूफान में उड़ गई. इसके बाद, एक भक्त को स्वप्न में शिवजी ने बताया कि वे ताड़केश्वर हैं और उनके सिर पर छत न बनाने का निर्देश दिया. इसके बाद, मंदिर को ऊपर से खुला छोड़ दिया गया, और शिवलिंग को ताड़केश्वर महादेव के नाम से पूजा जाने लगा.

वर्तमान स्वरूप और श्रद्धालु

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया, जिसमें 20 फीट गोल गुंबद को खुला रखा गया. यह मंदिर स्वयंभू शिवलिंग के कारण बहुत प्रसिद्ध है, और यहां हर साल श्रावणमास और महाशिवरात्रि पर हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं. श्रावण मास के दौरान, इस मंदिर में हर सोमवार को 10,000 से अधिक भक्त भोलेनाथ के दर्शन करने आते हैं, और यहां एक विशाल मेला भी लगता है.

घर में तुलसी के पौधे को लगाने के नियम

तुलसी के पौधे का खास महत्व बताया गया है। इसे सनातन धर्म में मां लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। कहते हैं की तुलसी के पौधे को घर में लगाने से सुख-समृद्धि का वास होता है। ज्यादातर लोगों ने अपने घर पर जरूर इस पौधे को लगाया हुआ है लेकिन जानें अंजाने में वह कई बार इससे जुडी कुछ गलतियां कर बैठते हैं, जैसे की दीपक जलते समय या फिर पूजा करते समय। ये गलतियों का हमारे जीवन में बहुत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में अगर आपने तुलसी का पौधा लगाया हुआ है या फिर लगाने जा रहें है तो कुछ खास नियम हैं जिनका आपको जरूर पालन करना चाहिए। इन्हीं नियमों के बारे में चलिए हम अब जानते हैं।

हरा-भरा रहना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में लगा तुलसी का पौधा हमेशा हरा-भरा रहना चाहिए क्योंकि ये धन-वैभव का प्रतीक माना गया है। अगर ये सूख जाए तो अशुभ माना जाता है। इसलिए इसकी देखभाल करना बहुत जरुरी है,ताकि घर में शुभता बनी रहे।

यूपी का अनोखा मंदिर! जहां आने जाने का है एक रास्ता, रहस्य जानकर उड़ सकते हैं आपके भी होश!

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में कुड़ारी का मंदिर है. यह मंदिर काफी प्राचीन माना जाता है. यह मंदिर मां कुंड वासिनी धाम कुड़ारी के नाम से प्रसिद्ध है. यह मंदिर स्थानीय लोगों की आस्था का केंद्र बना हुआ है. यहां पर कुंड की पूजा की जाती है. साथ ही मां कुंड वासिनी मंदिर में स्थापित माता कुंड वासनी की पूजा की जाती है.बता दें कि कुरारी मंदिर मध्य प्रदेश के लम सरई और उत्तर प्रदेश के निवारी ग्राम के बीच में सोन नदी के किनारे मां कुंड वासिनी धाम कुरारी के नाम से प्रसिद्ध है. नदी के किनारे स्थित माता कुंड वासनी का यह मंदिर हजारों साल पुराना है और यहां पर कई शुभ अवसरों पर मां कुंड वासिनी धाम में मेला का आयोजन किया जाता है.

सोन नदी के किनारे स्थित है मंदिर

स्थानीय लोगों का मानना है कि वर्तमान में जहां पर कुड़ारी का मंदिर है. वहां पर सोन नदी का किनारा है. मान्यता है कि मंदिर के पूर्व दिशा में 200 मीटर की दूरी पर माता कुंड वासनी सैकड़ों वर्ष पहले प्रकट हुई थी. जहां माता कुंड वासनी के पत्थर की मूर्ति स्थानीय लोगों द्वारा देखा गया और उसे एक जगह पर लाकर स्थापित कर दिया गया. उसी जगह को कुरारी धाम या मां कुंड वासिनी मंदिर कुरारी के नाम से जाना जाता है.

जानें मंदिर का इतिहास

कुरारी मंदिर के इतिहास के बारे में यहां के स्थानीय लोगों को ज्यादा कुछ पता नहीं है, लेकिन उनके बुजुर्ग यह बताए थे कि माता कुंड वासनी की मूर्ति मिलने के बाद यहां पर लाकर एक पेड़ के नीचे रख दी गई थी. इसके बाद इतिहास में पुराने वीर व्यक्तियों द्वारा कुरारी का मंदिर निर्माण किया गया और यह सोनभद्र जिले का और मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले का एक बेहतर आस्था का केंद्र और पर्यटक स्थल भी बन गया है.

जानें इस मंदिर की खासियत

कुरारी के मंदिर के बारे में देखा जाए तो वहां के लोग बताते हैं कि यह मंदिर कब बना

इसके बारे में जानकारी बहुत कम है, लेकिन इस मंदिर की अनोखी खासियत है. माता कुंड वासिनी मंदिर के अन्दर की प्रारंभिक ऊंचाई लगभग 11 मीटर को सिर्फ एक पत्थर द्वारा बनाया गया है और मंदिर के अंदर जाने का सिर्फ एक ही द्वार है.

मंदिर में है अलौकिक शक्ति

लोगों का ऐसा कहना है कि बाहर से आए प्राचीन ऋषि-मुनियों द्वारा इस मंदिर में एक और द्वार खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन एक मजबूत पत्थर से बना हुआ यह मंदिर का दूसरा द्वार नहीं खोला जा सका. इसे आप अलौकिक शक्ति कह सकते हैं या मंदिर के बनावट की मजबूती भी मंदिर का कुछ इस तरह है.

नदी के बाढ़ की भी नहीं पड़ता असर

वहीं, मां कुंड वासिनी धाम कुरारी के आसपास के लोगों का कहना है कि सोन नदी के किनारे बसा यह मंदिर कितनी भी तेज बाढ़ आती है, लेकिन इस मंदिर के अंदर पानी नहीं घुस पाता है. अगर इस मंदिर के उत्तर साइड में देखा जाए तो सोन नदी के उस पार सिल्पी नाम का एक गांव है, जो वर्तमान राज्यसभा सांसद राम सकल का जन्म स्थान एवं निवास स्थली है.

मंदिर में लगती है श्रद्धालुओं की भीड़

कुरारी मंदिर के आसपास हमेशा मेले का रूप देखने को मिलता है और यहां पर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के लोगों के आस्था का संगम देखने को मिलता है. कुरारी मंदिर हमेशा लोगों की भीड़ अपनी आस्था के अनुसार कथा सुनने, पूजा करवाने, मन्नत पूरी करने, पर्यटन के रूप में, वीकेंड पर घूमने, मेला करने, पिकनिक मनाने इत्यादि अवसरों पर लोग इकट्ठा होते हैं.

जानें क्यों कहते हैं चमत्कारी मंदिर

लोगों का यह भी कहना है कि एक बार इस मंदिर पर आकाशी बिजली भी गिरी है. इसके बाद भी इस मंदिर पर कोई. इसलिए लोग इसे चमत्कारी मंदिर मानते हैं.

बेहतर सेक्स लाइफ के लिए डाइट में शामिल करें बस ये एक

चीज, रिसर्च से समाने आई जानकारी

खराब लाइफस्टाइल और स्ट्रेस, एन्जाइटी जैसे दिक्कतों का असर अब हमारी सेक्स लाइफपर भी दिखाई देने लगा है। यह दिक्कत महिलाओं में भी साफतौर पर दिखाई देने लगी है। वहीं, एक हालिया स्टडी के मुताबिक, किचन में रखे मसाले महिलाओं की सेक्स ड्राइव को बूस्ट करने में कारगर हैं। स्टडी में दावा किया गया है कि रेसिपी में इस्तेमाल होने वाली मेथी या तमाम तरह के बीज महिलाओं में मेनोपॉज से जुड़ी दिक्कतों को कम कर सकते हैं। स्टडी में बताया गया कि रोजाना 500 मिलीग्राम हर्बल सप्लीमेंट का सेवन करने वाली महिलाओं की बेडरूम लाइफ से जुड़ी दिक्कतों में 42 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके अलावा, जिन महिलाओं को सेक्स के दौरान दर्द और ड्रायनेस की तकलीफ होती थी, हर्बल सप्लीमेंट्स के नियमित सेवन से उनकी भी मुश्किलें कम हुई हैं। भारत में भी शोधकर्ताओं ने मासिक धर्म वाली 48 महिलाओं को दिन में दो बार ऑर्गेनिक मेथी से बना एक अर्क लेने की सलाह दी है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि ऑर्गेनिक मेथी से बना यह लिक्विड हार्मोन्स को बैलेंस रखने में मददगार है। यह शरीर में टेस्टोस्टेरॉन और एस्ट्राडियोल नाम के हार्मोन को भी बूस्ट करने में मदद करता है। एक्सपर्ट्स ने बताया कि टेस्टोस्टेरोन सेक्सुअल इंटरेस्ट को ट्रिगर करने के साथ-साथ यौन इच्छा को बनाए रखने में अहम भूमिका अदा करता है। इतना ही नहीं, यह सेक्स के दौरान ल्यूब्रिकेशन, सेंसेशन और ब्लड फ्लो को भी ठीक रखता है। शोधकर्ताओं की टीम के मुताबिक, यह स्टडी बताती है कि ऑर्गेनिक मेथी नॉर्मल हार्मोनल बैलेंस को मेंटेन रखने का काम करती है। इसके लगातार सेवन से लोगों में सेक्स से जुड़ी परेशानियां खुद-ब-खुद कम होने लगती हैं। एक्सपर्ट कहते हैं कि नैचुरल सप्लीमेंट्स को महिलाओं में बढ़ रही यौन समस्याओं के लिए एक प्राकृतिक विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। बता दें कि भारतीय खाने में नैचुरल सप्लीमेंट्स के इस्तेमाल की पुरानी परंपरा है। हेल्थलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक भी ऑर्गेनिक मेथी एक एंटी इन्फ्लेमेटरी और लिबिडो बूस्टिंग मेडिसिन है। इसका प्रयोग दक्षिण एशियाई देशों में खाने की रेसिपी में किया जाता है। मेथी में

ऐसे औषधीय तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को सेक्स हार्मोन बनाने में मदद करते हैं। एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरॉन भी इन्हीं में से एक हैं। 30 लोगों पर छह सप्ताह तक चली एक स्टडी के अनुसार, रोजोना 600 मिलीग्राम मेथी के अर्क से सेक्सुअल डिजायर और सेक्सुअल फंक्शन में सुधार आता है। इसी तरह 80 महिलाओं पर करीब 8 सप्ताह तक चले एक शोध के मुताबिक, प्लेसिबो ग्रुप के मुकाबले रोजाना 600 मिलीग्राम मेथी के अर्क का सेवन करने वाली महिलाओं की सेक्सुअल हेल्थ में सुधार आया है।

एसिडिटी की समस्या से हैं परेशान तो इन घरेलू उपायों की मदद से पाएं छुटकारा

जब भी कुछ मसालेदार या तैलीय चीजें खा लती हैं, तो आपका पेट दुखने लगता है। आपको थोड़ी बर्निंग सेंसेशन महसूस होती है। अगर आप जंक फूड जैसे पिज्जा, पास्ता या बर्गर आदि खा लेते हैं तो आपको अक्सर एसिडिटी की समस्या झेलनी पड़ सकती है। एसिडिटी एक बहुत ही कॉमन प्रोब्लम है और यह आपको दिन के किसी भी समय महसूस हो सकती है। पर क्या आप जानती हैं कि इसका उपचार हमारी रसोई में ही मौजूद है। तो अब आए दिन एसिडिटी को झेलने की बजाए जानिए इसे आजादी पाने के कुछ कारगर उपाय। बेकिंग सोडा के अंदर बहुत अधिक गुण होते हैं और उनमें से एक है एसिड रिफ्लक्स से राहत दिलाना। इसके लिए आपको केवल एक चौथाई चम्मच बेकिंग सोडा लेना है। उसे आधे गिलास पानी के अंदर डाल दें। अब इसे अच्छे मिक्स कर दें। इस पानी को पी जाएं और एसिडिटी से कुछ ही सेकंड्स के अंदर रिलीफ पाएं।

ये 2 टिप्स करके बचाएं अपनी एनर्जी और रहें फिट!

गर्मियों में अक्सर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है साथ ही डिहाइड्रेशन का भी, जो हमारे शरीर को अस्वस्थ बनाने का काम करता है। गर्मियों में अक्सर लोग घर से बाहर निकलते क्योंकि गर्म मौसम आपकी स्किन के साथ-साथ आपको झुलसा देता है। गर्मी के मौसम में अक्सर लोग बड़ी जल्दी बीमार पड़ जाते हैं लेकिन कुछ तरीके ऐसे हैं, जिन्हें फॉलो कर आप खुद को सेफ रख सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे 4 तरीकों के बारे में, जो आपको गर्मियों में बीमारियों से बचा सकते हैं।

1. हेल्दी और हल्का खाएं-

आप गर्मी के दिनों में नियमित रूप से हल्का और हेल्दी भोजन करें। हाई कार्ब और फैट फूड्स शरीर में बहुत अधिक गर्मी पैदा करने का काम करते हैं। वहीं आपको पानी से भरे ताजे फल और सब्जियां, जैसे संतरा, तरबूज, टमाटर, और इसी तरह के फूड्स को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। जठरांत्र संबंधी समस्याओं से बचने के लिए आपको कम तेल और मसालेदार भोजन करने की सलाह दी जाती है।

2. ओवर एक्सपोजर से बचें

गर्मी के दिनों में सूरज की रोशनी आपको झुलसा सकती है, जिसके कारण आप विभिन्न प्रकार की त्वचा संबंधी समस्याओं का शिकार हो जाते हैं। अपनी स्किन को हेल्दी रखने और सनबर्न से बचने के लिए घर से बाहर निकलते समय हर बार सनस्क्रीन लगाएं। स्किन को हेल्दी रखने के लिए हाई एसपीएफ वाली सनस्क्रीन लेने की सलाह दी जाती है। अगर आपको धूप में निकलने के कारण सूजन, जलन, या किसी अन्य प्रकार की त्वचा की परेशानी हो रही है तो डॉक्टर को दिखाना जरूरी है।

सेहत के लिए वरदान है घी, डाइट में शामिल करने से

मिलेंगे कमाल के फायदें

वजन के बढ़ाने और कोलेस्ट्रॉल के डर से अगर आप घी नहीं खाते हैं तो आप बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। आज हम आपको बताने वाले हैं कि घी का डेली इस्तेमाल हमारे शरीर के लिए कितना फायदेमंद है। घी खाने को लेकर लोगों के मन में कई तरह का संशय रहता है। इस कारण लोग इस बेहद खास सुपरफुड के फायदे नहीं उठा पाते है। आपको बता दें कि घी में गुड कोलेस्ट्रॉल यानी आवश्यक वसा होता है जो हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इसमें विटामिन ए, डी, ई और के की भारी मात्रा पाई जाती है, जिससे यह शरीर को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके डेली सेवन से ना ही वजन बढ़ता है और ना ही शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ती है। सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवाकर के मुताबिक घी ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल से ग्रसित लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है। यह शरीर के मेटाबॉलिज्म

को बढ़ाकर कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में रखने में मदद करता है।रोज कितना खाना चाहिए घी?

न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवाकर ने इस सवाल का जवाब देते हुए अपने पोस्ट में बताया है कि घी खाने की हमारे पास पहले से ही जांची परखी मात्रा है। हम जब भी दाल चावल जैसे जैसे व्यंजनों में अधिक मात्रा में घी खाते हैं जबकि रोटी में कम खाते हैं। पूरन पोली बनाते समय हमें ज्यादा घी की जरूरत होती है।

दिल के मरीजों के लिए बेहद लाभकारी है ये सब्जियां और फल, डाइट में जरूर करें शामिल

आज के समय में हमारे गलत खानपान व खराब दैनिक दिनचर्या के कारण कई बीमारियां हमें घेर रही हैं । खाने-पीने को लेकर लापरवाही और उसके बाद स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं शुरू हो जाती है। कई बार इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते हैं। अगर आप बहुत ज्यादा असंतुलित खाना खाते हैं तो इससे कोलेस्ट्रोल बढ़ने लगता है। जिसकी वजह से हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारी होने लगी हैं। शरीर में बैड कोलेस्ट्रोल बढ़ने पर कई तरह के नुकसान पहुंचने लगते हैं। बैड कोलेस्ट्रोल शरीर में जमा हो जाता है, जिससे हार्ट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। हालांकि आप खाने में कुछ बादलाव करके इन समस्याओं को दूर कर सकते हैं। हार्ट को हेल्दी रखने के लिए आप अपनी डाइट में इन फल,सब्जी और अनाज को शामिल कर सकते हैं।

सेब और खट्टे फल-

इन फलों में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। इनमें एक खास घुलने वाला फाइबर पाया जाता है जिसे पेक्टिन कहते हैं। इन फलों को आप अपने डेली रूटीन में शामिल करें इससे कोलेस्ट्रोल कम हो जाएगा।

वर्तमान सोलर पैनल की कीमत जानिए

बैंगन-

कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए बैंगन भी फायदेमंद सब्जी है। बैंगन पाचनतंत्र के लिए भी अच्छा है। बैंगन खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल कम होता है।

दालें-

सभी दालें स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। दाल में हाई प्रोटीन और फाइबर होता है। खाने में नियमित रुप से दाल खाने से बैड कोलेस्ट्रॉल जमा नहीं होता, इसके अलावा दाल विटामिन बी का भी अच्छा सोर्स हैं।

एवोकाडो-

इसे खाने से शरीर में बैड कोलेस्ट्रोल कम होता है और गुड कोलेस्ट्रोल बढ़ता है। एवोकाडो में मोनोसैचुरेटेड फैट और फाइबरो होता है जिससे कोलेस्ट्रोल कम हो जाता है।

बेरीज और अंगूर-

कोलेस्ट्रोल कम करने के लिए आपको सभी तरह की बेरीज जैसे स्ट्रोबेरी, ब्लूबेरी, रसबेरी और अंगूर खाने में शामिल करने चाहिए। इनमें पेक्टिन अच्छी मात्रा में होता है, जिससे कोलेस्ट्रोल कम होता है और सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।

हरी पत्तेदार सब्जियां-

बैड कोलेस्ट्रॉल घटाने के लिए आपको नियमित रूप से हरी सब्जियां खाने में शामिल करनी चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक और साग में में ल्यूटिन और कैरोटेनॉइड्स होते हैं, जो हार्ट की बीमारियों का खतरा कम करता है।

टमाटर-

टमाटर खाने से कोलेस्ट्रोल कम होता है टमाचर का रस हाई ब्लड प्रेशर को कम करता है। इसलिए रोज खाने में टमाटर जरूर खाने चाहिए।

ओट्स-

ओट्स शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। ओट्स में बीटा-ग्लूकन नाम का फाइबर होता है जो जल्दी घुलता है। ओट्स खाने से कोलेस्ट्रॉल तेजी से कम होन लगता है।

जौ-

साबुत अनाज में जौ भी आपको खाने में शामिल करने चाहिए। जौ में भी बीटा-ग्लूकन होता है जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।

नोट - उपरोक्त दी गई जानकारी व सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं इन्हें किसी प्रोफेशनल डॉक्टर की सलाह के रूप में न समझें कोई भी बीमारी या परेंशानी हो तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें ।

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में यौन शोषण मामले पर ममूटी ने तोड़ी चुप्पी, बोले- कोई पावरहाउस ग्रूप नही

जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट ने कई महिला कलाकारों को अपने साथ हुए शोषण की शिकायत करने का साहस दिया है. साउथ सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी ने संकटकाल में हेमा कमेटी रिपोर्ट और यौन शोषण के मामलों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. वे फेसबुक पर आए और हेमा कमेटी रिपोर्ट का समर्थन किया. उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री को बेहतर बनाने के लिए जरूरी बदलाव की पैरवी भी की. ममूटी ने कहा कि वे एक्टर्स के संगठन और लीडर्स की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे थे. उन्होंने अनुरोध किया कि सभी इंडस्ट्री में सुधार के लिए साथ आए हैं. उन्होंने मलयालम में कहा, 'कुछ भी बुरा होने से रोकने के लिए, फिल्म निर्माताओं को सजग रहना होगा. फिल्म इंडस्ट्री को समझने के लिए सरकार ने जस्टिस हेमा कमेटी का गठन किया था, जिसने रिपोर्ट तैयार की और

समाधान सुझाए और गलत रोकने के लिए एक्शन लेने की सलाह दी.' ममूटी ने कहा, 'मैं रिपोर्ट में दी गई सलाह और समाधान का पूरे दिल से समर्थन करता हूं. सभी फिल्म समितियों को साथ आकर इन्हें लागू करना चाहिए.' उन्होंने आग्रह किया कि सभी पुलिस को अपना काम करने दें और कोर्ट को दंड देने का निर्णय करने दें. वे आखिर में बोले, 'शिकायतों पर पुलिस मजबूती के साथ जांच कर रही है. जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट का पूरा वर्जन कोर्ट के सामने है. पुलिस ईमानदारी से जांच करे. अदालत को सजा तय करने दीजिए. ममूटी ने फिल्म इंडस्ट्री में किसी 'पावर सेंटर' से इनकार किया. ममूटी के बयान से पहले मोहनलाल ने रिपोर्ट पर रिएक्ट किया था. मोहनलाल ने एएमएमए का किया बचाव

ममूटी के बयान से पहले मोहनलाल ने रिपोर्ट पर रिएक्ट किया था. ममूटी ने अपने बयान में कहा था, 'मैं पिछले दो बार से एएमएमए का अध्यक्ष था. हेमा कमेटी की रिपोर्ट के प्रति पूरा मलयालम सिनेमा जिम्मेदार है, लेकिन सभी सवाल सिर्फ एएमएमए से पूछे जा रहे हैं. एएमएमए सभी सवालों के जवाब नहीं दे सकती. ये सवाल हर किसी से पूछा जाना चाहिए. यह बहुत मेहनती इंडस्ट्री है. इसमें बहुत सारे लोग शामिल हैं, लेकिन इसमें हर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता. जिम्मेदार लोग दंडित होंगे.'

आतंकियों के हिंदू नाम पर बवाल

साल 1999 के विमान हाइजैक की घटना पर अनुभव सिन्हा की वेब सीरीज कंधार हाइजैक' में आतंकवादियों के हिन्दू नामों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। सोशल मीडिया पर वेब सीरीज के बायकॉट की मांग के बाद अब इस विवाद में भारतीय जनता पार्टी की भी एंट्री हो गई है। बीजेपी ने आरोप लगाया है कि फिल्म निर्माता अनुभव सिन्हा ने जानबूझकर आतंकवादियों की मुस्लिम पहचान हिंदू नामों से छिपाने की कोशिश की है। पांच आतंकवादियों ने 24 दिसंबर 1999 को काठमांडू से दिल्ली की उड़ान के दौरान आईसी 814 विमान का अपहरण कर लिया था। आतंकवादियों के नाम इब्राहिम अतहर, सनी अहमद काजी, जहूर इब्राहिम, शाहिद अख्तर और सईद शाकिर थे। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमिल मालवीय ने कहा, 'ढ्ढष्ट-814 के हाइजैकर्स दुर्दांत आतंकवादी थे, जिन्होंने उनकी मुस्लिम पहचान छिपाने के लिए अलग नाम रखे। फिल्ममेकर अनुभवन सिन्हा ने गैर-मुस्लिम नामों को आगे बढ़ाते हुए उनकी आपराधिक मंशा को वैध कर दिया। इसका नतीजा क्या होगा? दशकों बाद लोगों को लगेगा कि हिंदुओं ने ढ्ढष्ट-814 हाइजैक की थी।' उन्होंने आगे लिखा, 'पाकिस्तानी आतंकवादियों के अपराधों को छिपाने का लेफ्ट का एजेंडा पूरा हो गया है। इस सिनेमा की ताकत है, जिसका 70 के दशक से वामपंथी इस्तेमाल कर रहे हैं। शायद इससे भी पहले से। यह सिर्फ भारत की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल नहीं उठाएगा या कमजोर करेगा, बल्कि दोष को उन लोगों से दूर कर देगा, जो इस रक्तपात के लिए जिम्मेदार हैं।

कंगना रनौत की 'Emergency' को CBFC से नहीं मिली मंजूरी, रिलीज भी टली

कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' को लेकर लगातार बढ़ रही कॉन्ट्रोवर्सी के बीच अब इसे पोस्टपोन कर दिया गया है। मंडी लोकसभा सीट से सांसद कंगना रनौत इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस और डायरेक्टर भी हैं। कंगना रनौत ने हाल ही में बताया था कि फिल्म की वजह से मिल रही धमकियों के बीच फिलहाल ने इसे हरी झंडी देने से इनकार कर दिया है। जहां तक फिल्म की नई रिलीज डेट का सवाल है तो अभी तक इस बारे में कंगना रनौत की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

सेंसर बोर्ड से हरी झंडी का इंतजार

एक रिपोर्ट के अनुसार सेंसर बोर्ड को अभी इस मामले में 'कारण बताओ नोटिस' या फिर वो चीजें जिन्हें लेकर फिल्म में बदलाव किए जाने की जरूरत है, मेकर्स को दिए जाना बाकी है। फिल्म के संवेदनशील कॉन्टेंट और इसे लेकर बढ़ रहे विवादों के बीच इतना साफ है कि इसे रिलीज के लिए हरी झंडी मिलने में अभी वक्त लग सकता है। ऐसे में कंगना रनौत डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का 6 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो पाना अब नहीं हो पाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक कई जगहों पर कट लगाए जाने का सुझाव दिया गया है लेकिन जहां तक सर्टिफिकेशन का मामला है तो अभी भी चीजें रिव्यू की स्टेज पर ही हैं। यह भी पढ़ें 7 पर रिलीज होने जा रही है खतरनाक फिल्म, ये दो

सीरीज भी देंगी दस्तक

कंगना रनौत ने किया था यह पोस्ट

मालूम हो कि कंगना रनौत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर पोस्ट करके अपनी नाराजगी जाहिर की थी। कंगना रनौत ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷ऐसी अफवाहें हैं कि हमारी फिल्म इमरजेंसी को सेंसर सर्टिफिकेट मिल गया है। यह सच नहीं है। असल में हमारी फिल्म को परमिशन मिल गई थी लेकिन कई धमकियों के बाद सर्टिफिकेशन रोक दिया गया है। जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। सेंसर बोर्ड के मेंबर्स को धमकियां मिल रही हैं।

हम पर इंदिरा गांधी की हत्या, भिंडरावाले और पंजाब दंगों को न दिखाने का दबाव है। मुझे नहीं पता कि फिर दिखाने के लिए क्या बचेगा।

सपनों की उड़ान, अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नंदा का IIM में हुआ एडमिशन

महानायक अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा एक ऐसी स्टार किड हैं, जिन्होंने खुद के लिए एक अलग ही रास्ता चुना है। नव्या ने फिल्मी दुनिया में करियर बनाने के बजाए अपने लिए अलग करियर को चुना। वो अपने पिता की तरह एक फेमस बिजनेसमैन बनना चाहती हैं। इसी बीच अब नव्या को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। उनका एक बहुत बड़ा सपना पूरा हो गया। नव्या ने हमेशा से ही देश के जाने-माने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद में एडमिशन लेने का सपना संजोया था, जिसे अब उन्होंने पूरा कर दिखाया है। आइए जानते हैं ढ्ढढ्ढरूसे वो कौन सा कोर्स करने जा रही हैं।

IIM में नव्या को मिला दाखिला

नव्या नवेली नंदा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के जरिए नव्या ने फैंस को उनके इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद में एडमिशन मिलने की जानकारी दी है। फोटोज शेयर करने के साथ ही नव्या ने कैप्शन में लिखा, 'सपने सच होते हैं।' इसके साथ ही नव्या ने बताया है कि वो साल 2026 तक इस संस्थान से पढ़ाई करेंगी। वो लिखती हैं, 'अगले 2 सालज् बेस्ट लोगों और फैकल्टी के साथ! 'ब्लेंडेड पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम । कैप्शन में

उन्होंने अपने कोर्स का नाम भी क्लियर कर दिया है।

बेहद खुश नजर आई नव्या

नव्या ने सोशल मीडिया पर एक नहीं बल्कि कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। पहली तस्वीर में वो कॉलेज के गेट पर खड़ी होकर ढ्ढढ्ढरू के नाम के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। इसके अलावा वो किसी में अपने कॉलेज की झलक तो कई तस्वीरें में अपने नए दोस्तों और फैकल्टी के साथ पोज देती दिख रही हैं। इन तस्वीरों के सामने आते ही फैंस ने उन्हें नई शुरुआत के लिए ढेर सारी बधाई दी है। वहीं, कई यूजर्स नव्या से उनके कोर्स के बारे में पूछते नजर आ रहे हैं कि वो यहां पर कौन सा कोर्स करने आई हैं।

यूजर्स ने किए कमेंट्स

नव्या की इन तस्वीरों पर करिश्मा कपूर लिखती हैं, 'बधाई हो नव्या।' अनन्या पांडे, शनाया कपूर, जोया अख्तर ने भी प्यार बरसाया है। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'चलो कुछ तो नॉर्मल देखा। एक तो आप भारत में ही पढ़ रहे हो और दूसरा एक नॉर्मल कोर्स कर रहे हो, वर्ना ऐसे बड़े परिवारों में अजीब से कोर्स करते हैं जो बहुत कम लोग करते होंगे।'

एक और यूजर ने लिखा, 'क्चक्कक्कोर्स के बारे में कभी नहीं सुना, ये क्या है?' तो वहीं कुछ लोग ये भी सवाल किया कि क्या उन्होंने पेपर क्लियर करके एडमिशन लिया या फिर पैसे देकर। ऐसे कई और कमेंट नव्या के इस पोस्ट पर आ रहे हैं।

यातायात पुलिस सख्त जिले भर में स्कूल वाहनों पर कार्यवाही जारी

भविष्य दर्पण >> दुर्गाशंकर टेलर

आगर मालवा । यातायात पुलिस ने आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में आदर्श कान्वेंट न्यू स्कूल के स्कूल मैजिक वाहन एमपी 04 T A 3836 व एमपी 30 BC 0841 को चेक किया जिसमें फिटनेस,परमिट व बीमा संबंधी कमी पाई गई जिस पर एमवी एक्ट की धारा 9/177 ,180/17,56/192,176/177 में कार्यवाही करते हुए 16500 रुपए का समन शुल्क वसूला। साथ ही प्राचार्य महोदय को कागजात पूर्ण कर उपयोग में लाने की हिदायत दी है।

सेवानिवृत्ति के अवसर पर समारोह पूर्वक दी गई विदाई ।

भविष्य दर्पण >> तरुण शर्मा

सोनकच्छ। शासकीय प्राथमिक विद्यालय बाबई एवं शासकीय प्राथमिक विद्यालय ओढनी में कार्यरत रहे सहायक शिक्षक श्री सज्जन लाल सारगवंशी एवं श्री दशरथ सिंह तोमर को उनकी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर आज दिनांक 31 /8 /2024 को समारोह पूर्वक विदाई दी गई कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती पूजन से किया गया कार्यक्रम के अतिथि पूर्व ए पी सीअरविंद शर्मा पूर्व बी आर सी भूपेंद्र कुमार गुप्ता ,रतन सिंह जी राजपूत ,राम सिंह तंवर, बद्री लाल पाटीदार थे कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष शर्मा बी आर सी सोनकच्छ ने की दोनों शिक्षक साथियों को विद्यालय परिवार द्वारा शाल श्रीफल अभिनंदन पत्र भेंट कर उनका सम्मान किया गया शब्दों से स्वागत रविंद्र पाल सिंह तंवर ने किया पुष्पमाला से स्वागत इंदर सिंह तोमर लोकेंद्र सिंह तोमर पुष्पेंद्र सिंह तोमर कपिल राठौर हर्ष क्षीरसागर

आदि ने किया ग्रामीण जनों ने भी पुष्पमाला पहनाकर दोनों शिक्षक साथियों का स्वागत और सम्मान किया इस अवसर पर जन शिक्षक योगेंद्र कुमार योगेश पाठक और दुर्गेश जाजू वा ग्रामीण जन एवं परिवार जन भी उपस्थित थे अभिनंदन पत्र का वाचन एवं कार्यक्रम का संचालन शिक्षक श्री फारुक खान ने किया आभार प्रदर्शन धीरज कुमार वर्मा ने किया

सोमवती अमावस्या साथ ही बाबा महाकाल की शाही सवारी के शुभ अवसर पर बाबा बैजनाथ महादेव का राजाधिराज के स्वरूप श्रृंगार किया

भविष्य दर्पण >> दुर्गाशंकर टेलर

आगर मालवा जिले के प्रसिद्ध बाबा बैजनाथ महादेव का दिन प्रतिदिन अलग-अलग स्वरूपों में श्रृंगार किया जा रहा हैं सोमवती अमावस्या पर व बाबा महाकाल की शाही सवारी के उपलक्ष्य में बाबा बैजनाथ महादेव का स्वयं राजाधिराज का श्रृंगार किया गया सोमवती अमावस्या पर हजारों की तादाद में भक्तो ने बाबा के सामने मत्था टेका बाबा बैजनाथ महादेव के पुजारी भभूत पूरी गोस्वामी ने बताया की बाबा बैजनाथ का श्रृंगार भक्तो द्वारा स्वयं इच्छा से दिन प्रतिदिन करवाते हैं आपको बता दे की हिन्दुस्तान पर अंग्रेज़ों ने सैंकड़ों वर्षों तक राज किया. अंग्रेज़ों के अत्याचारों की असंख्य कहानियां आज भी यहां के हवाओं में महसूस की जा सकती है. अंग्रेज़ों ने न सिर्फ़ हमारे इतिहास के साथ छेड़-छाड़ की बल्कि सोने की चिड़िया कहलाने वाले हमारे देश को पूरी तरह खाली कर दिया और अपने घर भरे. सैंकड़ों सालों तक हमारे पूर्वज ग़ुलामी की जंज़ीरों में क़ैद रहे और अपनी जान की क़ुर्बानी देकर हमें आज़ादी दिलाई ब्रितानिया सरकार ने हमारी संपत्ति को लूटी ही, हमारी संस्कृति को भी नष्ट करने की पूरी कोशिश की. ये कोशिश तो हर विदेशी ताकत ने की लेकिन हमारा नाम मिटाने में असफ़ल रहे. अंग्रेज़ ख़ुद को बहुत सभ्य समझते थे और उनका ये मानना था कि अश्वेत लोग असभ्य हैं! हमारी संस्कृति, तौर-तरीकों वे जंगली क़रार देते थे.

अंग्रेजों ने बनवाया था ये अनोखा मंदिर

इतिहास की कई किताबों में ये तथ्य दर्ज है कि मिशनरीज़ ने भारत में अंग्रेज़ी तौर-तरीके, ईसाई धर्म, भाषा, रहन-सहन आदि को बढ़ावा देने, प्रचार-प्रसार करने की पूरी कोशिशें की. हमारे पहनावे से लेकर, हमारी बोली तक को पूरी तरह बदलने को तत्पर थे गोरे. मिशनरीज़ ने भारत में असंख्य, चर्च और कैथेड्रल बनवाए, भारतीयता को नकारने की पूरी कोशिश की. अंग्रेज़ों से पहले आए कुछ विदेशी शासकों ने

भारतीयता को अपनाने की पहल ज़रूर की थी लेकिन अंग्रेज़ों में ये प्रवृत्ति न के बराबर थी. जैसी कि सभी को एक तराजू में तौला जाना सही नहीं है और आज हम एक ऐसी ही कहानी के बारे में जानेंगे अंग्रेज़ों को मंदिर और मस्जिद को दूषित करने के लिए जाना जाता है लेकिन भारत में एक ऐसा मंदिर भी है जिसे एक अंग्रेज़ ने बनवाया था. मध्य प्रदेश के आगर-मालवा स्थित बैजनाथ महादेव मंदिर का पुनर्निमाण एक अंग्रेज़ी दंपत्ति ने करवाया था आगर मालवा की वेबसाइट के मुताबिक, ये मंदिर आगर मालवा के सुसनेर रोड (उज्जैन-कोटा रोड राष्ट्रिय राजमार्ग 27) पर स्थित है. मंदिर बाणगंगा नदी के तट पर बना हुआ है और उसका निर्माण कार्य 1528 में शुरु और 1536 में पूर्ण हुआ. अंग्रेज़ दंपत्ति ने 1883 में मंदिर का पुनर्निमाण करवाया. ये बेहद आश्चर्यजनक बात है कि एक अंग्रेज़ दंपत्ति ने आख़िर एक मंदिर को क्यों बनवाया, जबकि वे ईसाई धर्म का पालन करते हैं छपे एक लेख के मुताबिक, लेफ़्टिनेंट कर्नल मार्टिन नामक एक अंग्रेज़ अफ़गानों से युद्ध करने गया था. लेफ़्टिनेंट कर्नल की पत्नी आगर मालवा के कैंटोन्मेंट में रह रही थी. वो लगातार अपनी पत्नी को खत लिखकर जंग के मैदान की स्थिति के बारे में बताता युद्ध काफ़ी लंबा चल रहा था और एक दिन अचानक लेफ़्टिनेंट कर्नल की पत्नी को चिट्ठियां मिलनी बंद हो गई पति की खोज-ख़बर न मिलने से कर्नल की पत्नी को चिंताओं ने घेर लिया. वो घंटों घुड़सवारी कर अपना मन शांत करने की कोशिश करती. एक दिन वो घुड़सवारी करते हुए बैजनाथ महादेव मंदिर के सामने से गुज़री, मंदिर में आरती हो रही थी. मंदिर टूटी-फूटी हालत में था लेकिन शंखध्वनी, मंत्रोच्चारण ने उसे रुकने पर विवश कर दिया आगे उसने मंदिर के अंदर झांका और देखा कि महादेव की आराधना हो रही है पुजारियों ने महिला के चेहरे पर परेशानी देख उसकी समस्या पूछी लेफ़्टिनेंट कर्नल की पत्नी ने पुजारियों को आपबीती सुनाई. पुजारियों ने उससे कहा कि महादेव सभी की सच्चे दिल से की हुई प्रार्थनाएं सुनते हैं और भक्तों की परेशानियां दूर करते हैं पुजारियों ने लेफ़्टिनेंट कर्नल की पत्नी को 11 दिन तक ओम नमः शिवाय का जाप करने की सलाह दी लेफ़्टिनेंट कर्नल की पत्नी ने 11 दिनों तक महादेव की आराधना की और पति के सकुशल लौटने पर मंदिर बनवाने का प्रण लिया वो महिला सच्चे दिल से प्रार्थना करती रही और 10वें दिन अफ़ग़ानिस्तान से एक संदेशवाहक उसके पति का ख़त लेकर पहुंचा उस ख़त में लिखा था, मैं तुम्हें लगातार ख़त भेज रहा था लेकिन एक दिन अचानक पठानों ने मुझे घेर लिया मुझे लगा मैं नहीं बचूंगा. अचानक एक लंबी जटाओं, बाघ की छाल ओढ़े, त्रिशूल लिए भारतीय योगी सामने आया उसने अफ़ग़ानों को मार भगाया उसकी वजह से हार जीत में बदल गई. उसने मुझसे कहा कि मुझे चिंता करने की ज़रूरत नहीं है और वो मुझे बचाने आए हैं क्योंकि वो मेरी पत्नी की प्रार्थना से बेहद प्रसन्न हैलेफ़्टिनेंट कर्नल मार्टिन युद्ध से लौटा पति पत्नी ने एक-दूसरे को अपने साथ घटी दिव्य घटनाएं बताईं दोनों ही महादेव के भक्त बन गई और 1883 में बैजनाथ महादेव मंदिर के पुनर्निमाण के लिए 15000 रुपये दान किए. मंदिर के बाहर ये जानकारी एक पत्थर पर खुदी है. दोनों पति-पत्नी भारत से इंग्लैंड लौट गए लेकिन आजीवन महादेव के भक्त बने रहने का प्रण लिया

सेना से रिटायर्ड हुए सैनिक, स्मृति चिन्ह भेट कर दी विदाई।

आज नगर करेगा जोरदार स्वागत, सम्मान समारोह का भी आयोजन।

भविष्य दर्पण >> तरुण शर्मा

सोनकच्छ - नगर के वार्ड क्रमांक 4 निवासी सैनिक धर्मेन्द्र यादव 31 अगस्त को छत्तीसगढ़ में नक्सली क्षेत्र में पोस्टिंग रहते हुए सेवा निवृत्त हुए। जिसमे सीआरपीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने धर्मेन्द्र को स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी। धमेंद्र की नियुक्ति 22 साल पूर्व 13 फरवरी को सेना में भर्ती हुए थे, धर्मेन्द्र ने अपनी सेवा काल मे देश के जम्मू-कश्मीर, नक्सली क्षेत्र सहित अन्य राज्यो में सेवा दी है। इसके साथ ही खेल प्रतियोगिताओ में भी सेना में अपनी टीम का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमे राष्ट्रीय स्तर के कई पुरस्कार उन्होंने प्राप्त किए है। वर्तमान में वो हवलदार के पद से सेवा निवृत्त हुए है। आज नगर करेगा भव्य स्वागत - नगर व आसपास के लोग आज 3 सितंबर को धर्मेन्द्र यादव का स्वागत करेगा। जिसके लिए करीब 15 दिन पहले से ही उनके स्वजन और परिचितों ने तैयारी शुरू कर दी थी। सबसे पहले धर्मेन्द्र बिजासन माता मंदिर पहुचेंगे, जहां से उनका स्वागत करने हेतु जुलूस निकाला जाएगा, जो कि नगर के एमजी रोड से होकर बस स्टैंड के पास संतोषी वाटिका में समाप्त होगा, जहाँ नगर धर्मेन्द्र का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

लोकपथ एप से सड़कों की शिकायत की जा सकती है

भविष्य दर्पण >> दुर्गाशंकर टेलर

आगर मालवा । आगर सड़कों में गढ्डो एवं आवश्यकतानुसार त्वरित सुधार हेतु लोक निर्माण विभाग द्वारा लोकपथ मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया गया है। लोकपथ मोबाइल एप ¼Lokpath Mobile App½ के जरिए आमजन सड़कों की समस्या बता सकेंगे और अधिकारियों की जवाबदेही भी इसके जरिए सुनिश्चित होगी लोकपथ मोबाइल एप को मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड की ओर से तैयार किया गया है. लोकपथ मोबाइल एप को लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट www.mppwd.gov.in पर जाकर डाउनलोड कर इंस्टॉल किया जा सकता है। इसमें रजिस्टर्ड सड़कों के पॉट होल/पेच का फोटो लेकर डालने पर शिकायत सीधे अधिकारी तक पहुंचेगी। इसके बाद अधिकारी को सात दिनों में सड़क की मरम्मत का काम करना होगा।

विधायक भंवरा ने किया आकस्मिक निरीक्षण

प्राचार्य सहित नियमित शिक्षक अनुपस्थित रहे

भविष्य दर्पण >> घनश्याम भदौरिया

सुंद्रेल - समय समय पर शिक्षा में सुधार हेतु बागली विधायक मुरली भंवरा स्कूलों का निरीक्षण कर आवश्यक गतिविधियों व शिक्षा के स्तर व छात्र छात्राओं से संवाद करते है इसी कड़ी में विधायक भंवरा द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुंद्रेल का निरीक्षण किया गया नियत समय से 1 घंटे पूर्व बच्चे स्कूल से नदारद मिले साथ ही प्राचार्य मोहनलाल भावसार, रेवसिंह चौगड़,शिक्षिका स्वाति मालवीय अपने कर्तव्य स्थल से अनुपस्थित पाए गए। तत्पश्चात सरपंच सचिवों द्वारा विधायक भंवरा के उपस्थिति में पंचनामा बनाकर उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया। इस दौरान ग्रामीण जनो द्वारा विधायक भंवरा को बताया गया की कई शिक्षक आधे आधे महीने विद्यालय से अनुपस्थित रहते है जिस कारण लगातार छात्र छात्राएं अध्यापन कार्य में पिछड़ते है।

मेरे द्वारा आज सुंद्रेल विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था जिसके दौरान मुझे शाला प्रभारी के साथ सभी शिक्षक अनुपस्थित मिले साथ ही विद्यालय में अध्ययनरत भैया बहिनें भी स्कूल से जा चुके थे मेरे द्वारा बीईओ कन्नौद को अवगत कराकर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है।

मुरली भंवरा
विधायक बागली

जिला योग स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 6 सितंबर को

इंदौर- कार्पोरेशन योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन एवं श्री वैष्णव एकेडमी द्वारा जिला योग स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन 6 सितंबर को राजमोहल्ला स्थित श्री वैष्णव एकेडमी में किया जावेगा। एसोसिएशन के सचिव ईश्वर सिंह चौहान ने बताया कि प्रतियोगिता मिनी, सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर बालक व बालिका आयु वर्ग में आयोजित की जावेगी । उक्त प्रतियोगिता से अक्टूबर माह में आयोजित होने वाली 42वी मध्यप्रदेश स्टेट योगा चैंपियनशिप में भाग लेने वाली इंदौर जिला व इंदौर कार्पोरेशन टीम हेतु मिनी, सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर आयु वर्ग से 16-16 बालक व बालिकाओं का चयन किया जावेगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी 4 सितंबर तक एसोसिएशन की वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते है तथा प्रतियोगिता संबंधी अधिक जानकारी के लिए रोहित बाजपई से मोबाइल नंबर 6265560278 पर संपर्क कर सकते है ।

बिजली जलाकर बिल ना चुकाने वालों पर होगी कार्रवाई

उज्जैन। बिजली बिल के ऐसे उपभोक्ता, जिन पर बिल की राशि लम्बे समय से बकाया है,उनके नाम सोशल मीडिया पर वायरल होंगे। प्रदेश के 16 जिलों में इस पर काम प्रारंभ हो गया है। उज्जैन संभाग के संबंध में विद्युत कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि अभी ऐसे कोई निर्देश नहीं मिले है। जैसा आदेश होगा, वैसे कार्रवाई की जाएगी। अब बकायादोरों से बिजली का बिल वसूलने की तैयारी की जा रही है। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा सभी बड़े बकायादारों के बिल सोशल मीडिया पर वायरल करने का फैसला लिया है। कंपनी सोशल मीडिया प्लेटफार्म वाट्सएप, फेसबुक, एक्स और इंस्टाग्राम पर नाम, पता और बकाया राशि वायरल करेगी। यह ऐसे बकायादार हैं जिनके द्वारा पिछले कई महीनों से बिलों का समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है। कंपनी की अलग-अलग इकाईयों ने प्रदेश के 16 जिलों के बड़े बकायादारों के नाम सार्वजनिक करने की तैयारी कर ली है। बकायादारों के नाम सहित पूरी जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल कर उनसे बिल भुगतान की अपील की जाएगी। इसमें बकायादारों की सूची भेजी जाएगी, ताकि सभी को पता चल सके कि उनके आसपास कौन-कौन बकायादार हैं।

लोकायुक्त एसपी बनाए राजेश मिश्रा का पांच दिन बाद ट्रांसफर

अब दुर्गेश कुमार राठौर को मिली कमान

भोपाल। मध्य प्रदेश के पुलिस विभाग में लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू के 28 अगस्त को अधिकारियों के तबादले किए गए थे। इस तबादले के तहत कुल सात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। इन नामों में भोपाल ईओडब्ल्यू के तत्कालीन एसपी राजेश मिश्रा का नाम भी शामिल था, जिन्हें भोपाल लोकायुक्त एसपी के पद पर नियुक्त किया गया था। मध्य प्रदेश पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल का दौर जारी है। हाल ही में 28 अगस्त को भोपाल लोकायुक्त एसपी पद पर नियुक्त किए गए राजेश मिश्रा को महज पांच दिन बाद ही उनके पद से हटा दिया गया है। उनकी जगह दुर्गेश कुमार राठौर को नए लोकायुक्त एसपी के रूप में नियुक्त किया गया है। अब नए आदेश में राजेश मिश्रा को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) से हटाकर ग्वालियर लोकायुक्त में स्थानांतरित कर दिया गया है। यह बदलाव अचानक आया है और इसके पीछे का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। मध्य प्रदेश के पुलिस विभाग में लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू के 28 अगस्त को

अधिकारियों के तबादले किए गए थे। इस तबादले के तहत कुल सात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। इन नामों में भोपाल ईओडब्ल्यू के तत्कालीन एसपी राजेश मिश्रा का नाम भी शामिल था, जिन्हें भोपाल लोकायुक्त एसपी के पद पर नियुक्त किया गया था। लेकिन अब, उनकी पोस्टिंग के कुछ ही दिनों बाद उन्हें हटा दिया गया है। वहीं, इंदौर जोनल पुलिस अधीक्षक विशेष शाखा राजेश सहायक को विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त कार्यालय इंदौर संभाग बनाया गया है। इसके अलावा विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त संगठन इंदौर संभाग पुलिस अधीक्षक सव्यसाची सराफ को सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय भोपाल बनाया गया है। विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त संगठन ग्वालियर संभाग ग्वालियर पुलिस अधीक्षक रामेश्वर सिंह यादव को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इंदौर का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त संगठन भोपाल संभाग के पुलिस अधीक्षक मनु व्यास को सहायक पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन बनाया गया है।

मेजर ध्यानचंद जयंती पर खेलकूद प्रतियोगिता के छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरण किए गए।

भविष्य दर्पण >> घनश्याम भदौरिया

बागली । मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बागली में BSW एवं MSW, छात्र-छात्राओं को मेजर ध्यानचंद की जयंती पर आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता मैं प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरण किए गए इस अवसर पर कैलाश जोशी शासकीय महाविद्यालय बागली के प्रोफेसर रामावतार जगनेरी तथा जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक प्रफुल्ल पाठक परामर्शदाता गोकुल राठौर महेश सोलंकी राजेंद्र सेंधव, अशोक भाटी सामाजिक कार्यकर्ता आशीष पाटीदार शुभम निमावत संदीप नागर आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन महेश सोलंकी परामर्शदाता द्वारा किया गया।

कलेक्टर द्वारा एपीसी की समीक्षा बैठक आयोजित

बॉयर-सेलर मीट कराये जाने हेतु कार्ययोजना बनाये- कलेक्टर

जिले में नवाचारों के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाए - कलेक्टर

भविष्य दर्पण ➤ नगर प्रतिनिधि

झाबुआ । कलेक्टर की अध्यक्षता में एपीसी की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में कृषि विभाग द्वारा वर्तमान स्थिति के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी। जिले मे वर्षा की स्थिति, खरीफ क्षेत्राच्छादन की स्थिति, बीज व्यवस्था में सोयाबीन हेतु राज सोय 18, एनआरसी 142 और 143, मक्का में बॉयो 9544 जैसे बीजो की किस्मों का वितरण किया गया।

श्रीअन्न के तहत बोआई का कुल रकबा और इसके तहत किसानों के उन्नयन सम्बन्ध में जानकारी ली। रबी के सीजन के तहत उर्वरको की उपलब्धता के सम्बन्ध में कार्ययोजना बनाये जाने हेतु निर्देशित किया जिसमें नवम्बर एवं दिसम्बर में कोई कमी ना होने पाये। सहकारिता विभाग से उपकेन्द्र का प्रस्ताव बना कर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। खरीफ फसलो के अंतर्गत बीज और उर्वरक गुणवता नियंत्रण के तहत लिये गये सैम्पल, प्राप्त अमानक नमुने जिसमे उर्वरक के 4 और बीज के 22 के तहत की कार्यवाही जिसमें 10 के लाइसेंस निलम्बित किये जाने सम्बन्धी जानकारी ली गयी।

मृदा परीक्षण हेतु लैब को खोलने हेतु विज्ञप्ति जारी कर कार्यवाही पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया । प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत आवेदन 103370 का बीमित क्षेत्र 26120 हेक्ट. के तहत बीमा राशि के सम्बन्ध में जानकारी ली गई।

परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत जैविक कपास के रकबा बढ़ाये जाने और मार्केटिंग, ब्रांडिंग एवं सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया को सुनिश्चित किये जाने हेतु निर्देशित किया। जैविक कृषि हेतु फिल्ड सर्वे की रिपोर्ट भेजी जाए साथ ही बॉयर-सेलर मीट कराये जाने हेतु कार्ययोजना बनाये।

कृषि के यंत्रीकरण के तहत किये गये प्रयासो एवं जे फॉर्म में की गयी कार्यवाहियों के बारे जानकारी प्राप्त की गयी। आत्मा के द्वारा जिले मे किये गये नवाचार जैसे हल्दी की खेती, सोयाबीन और ज्वार की नई किस्मों को किसानो को उपलब्ध कराना, किसानों की प्रदेश के बाहर एवं जिले के बाहर करायीगयी एक्सपोजर विजिट के बारे मे जानकारी दी गयी। उद्यानिकी विभाग ने बढ़ाया मसालों का रकबा जिले में मसाला उत्पादन बढ़ाया गया है। 209 हेक्टेयर क्षेत्र मे हल्दी का उत्पादन किया जा रहा है। जिसपर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की , साथ ही फ्लोरीकल्चर का रकबा बढ़ाए जाने हेतु निर्देशित किया। पॉली हाऊस, शेडनेट हाउस के तहत किये गये प्रयासो की प्रशंसा की।

पशुपालन ⇨ जिले में उपलब्ध पशुधन जिसमे गाँवंश की संख्या 430840, बकरी की संख्या 425402 एवं अन्य पशुओ की संख्या 132650 है। आचार्य विद्यासागर योजना, नंदीशाला योजना, जैसी योजनाओं की समीक्षा कर कृत्रिम गर्भाधान, चलित पशु चिकित्सा के तहत सुविधाओ को आमजन तक पहुंचाने हेतु निर्देशित किया। साथ ही मनरेगा के तहत बनो गौशालाओ को पूण समर्थता के साथ चलाने एवं 5 में से बची हुई दो का संचालन जल्द से जल्द करने हेतु निर्देशित किया।

मत्स्य ⇨ मत्स्योत्पादन के तहत दिये जाने वाले पट्टों हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत से समन्वय करने हेतु निर्देशित किया। जिले मे किये जा रहे झींगा पालन का लाभ अधिक से अधिक किसानो तक पहुंचाने हेतु निर्देशित किया,

सहकारी विभाग ⇨ कॉपरेटिव विभाग दिये जाने वाले ऋणो, बैंको की वित्तीय स्थिति की जानकारी दी गयी। सोसाइटी के माध्यम से ओवर फायनेन्सिंग ना किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

डेयरी ⇨ जिले में दुग्ध संघ की गठित 156 समितियों में से कार्यरत 86 समितियों के माध्यम से किये जा रहे प्रयासो को बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया।

इस दौरान उप संचालक कृषि श्री नगीन रावत उप संचालक कृषि आत्मा श्री जी.एस.त्रिवेदी, उपसंचालक पशुपालन डॉ विल्सन डावर,समस्त विकास खंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कहा- आप किसी का घर कैसे गिरा सकते हैं?

भविष्य दर्पण > नगर प्रतिनिधि

दिल्ली- विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या कोई किसी का भी घर सिर्फ इसलिए तबाह कर सकता है, क्योंकि वह आरोपी है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई आरोपी दोषी भी पाया जाता है तो उसका घर बिना तय कानून के तबाह नहीं किया जा सकता।

दोषी का घर भी नहीं गिराया जा सकता

जस्टिस बीआर गवई ने मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा,सिर्फ इसलिए घर कैसे गिराया जा सकता है कि वह आरोपी है? अगर वह दोषी है तो भी घर नहीं गिराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को बताने के बाद भी...हमें रवैये में कोई बदलाव नहीं दिख रहा।

याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ में शामिल जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा कि किसी को भी कमियों का फायदा नहीं उठाना चाहिए। पिता का बेटा अड़ियल या आज्ञा न मानने वाला हो सकता है, लेकिन अगर इस आधार पर घर गिराया जाता है, तो यह तरीका नहीं है।

केंद्र सरकार का तर्क- कानून का उल्लंघन करने पर ही होती है कार्रवाई

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि कानून का उल्लंघन होने पर घरों को गिराया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम तभी कार्रवाई करते हैं जब कानून का उल्लंघन होता है। इसके जवाब में पीठ ने कहा, लेकिन शिकायतों को देखते हुए, हमें लगता है कि उल्लंघन हुआ है। न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूरे राज्य में अनधिकृत इमारतों को ध्वस्त करने के लिए एक दिशानिर्देश की आवश्यकता पर भी गौर किया। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, सुझाव आने दीजिए। हम अखिल भारतीय स्तर पर दिशानिर्देश जारी करेंगे।

17 सितंबर को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं देगा। हम पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करने पर विचार कर रहे हैं। मामले की सुनवाई 17 सितंबर को तय की गई। दरअसल, बुलडोजर एक्शन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थी। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की।

सरस्वती शिशु मंदिर चापड़ा के पूर्व छात्र आनंद यादव द्वारा विद्यालय में गणवेश तथा पुस्तक के वितरित की गई

तुलसी पंछी के पिये घटे न सरिता नीर,दान दिये धन ना घटे जो सहाय रघुवीर

भविष्य दर्पण >> घनश्याम भदौरिया

चापड़ा । इन्हीं पंक्तियों को सार्थक करते हुए नर्मदा ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला हाटपीपल्या द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मन्दिर चापड़ा में ऐसे भैया बहन जिनके द्वारा गणवेश , पुस्तक, जूते आदि नहीं ला सकते हैं लेकिन पढ़ने की भावना उनके मन में है ऐसे भैया बहनों की पीड़ा को अपना समझकर उनके लिए उनकी व्यवस्था कर आज सरस्वती शिशु मंदिर चापड़ा के पूर्व छात्र भैया आनंद जी यादव के द्वारा विद्यालय में भैया बहनों के लिए किताबें गणवेश तथा जूते का वितरण किया गया। साथ ही भैया बहनों को कहा गया कि आज का युग शिक्षा का युग है आप सभी भैया बहन भी अच्छी पढ़ाई करें तथा अपने विद्यालय का नाम रोशन करें और अपनी पुस्तकों को संभाल कर रखें तथा अगले वर्ष जब परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाए तो अपनी पुस्तक गरीब भैया बहनों को दे देवे ताकि आपकी पुस्तकों से और भी भैया बहन पढ़ सके। कार्यक्रम के शुभ अवसर पर जिला कार्यालय प्रमुख श्री देवेंद्र जी सेंधव ने सभी पूर्व छात्रों का आभार माना तथा पूर्व छात्रों से विद्यालय के हित में हमेशा इसी तरह आगे बढ़ने के लिए कहा गया साथ ही शुभकामनाएं दी। उक्त व्यवस्था विद्यालय के आचार्य नितिन जी यादव द्वारा करवाई गई।

सारी दुनिया का बोझ उठाने वाले कुलियों पर छाया

रोजी रोटी का संकट, नहीं मिल रहे यात्री

उज्जैन। एक जमाना था जब देश के प्रत्येक स्टेशन पर बड़ी संख्या में कुली काम करते थे। यात्रियों का सामान स्टेशन से बाहर व अंदर लाने ले जाने में इनकी अहम भूमिका होती थी। स्थिति यह थी कि सुपर स्टार अमिताभ बच्चन ने कुली नामक फिल्म में अभिनय किया जो सुपरहिट रही थी, लेकिन आज इन्हीं कुलियों के सामने रोजी रोटी का संकट छा गया है। स्थिति यह है कि उज्जैन रेलवे स्टेशन पर 40 में से मात्र 17 कुली ही काम कर रहे

ऐसे बदलते गए कुलियों के हालात

उज्जैन रेलवे स्टेशन की शुरुआत से रेलवे विभाग द्वारा 40 कुलियों को पीतल का बिल्ला देकर प्लेटफार्म पर यात्रियों का सामान लाने ले जाने का लाइसेंस दिया गया था। हालांकि उस समय गिनती की ट्रेनों का आवागमन उज्जैन में होता था बावजूद इसके कुली इतना कमा लेते थे कि उनका जीवन यापन हो सके। समय के साथ परिस्थितियां बदलती चली गईं। रेलवे द्वारा भी यात्रियों की सुविधा के लिये स्टेशन पर अनेक निर्माण और बदलाव किए गए। वर्तमान में उज्जैन रेलवे स्टेशन पर रुकने वाली ट्रेनों की संख्या में तो बढ़ोत्तरी हुई लेकिन कुलियों की संख्या आधी से भी कम रह गई।

अधिकांश ट्रेनें प्लेटफार्म 1 पर ही रुकती हैं- उज्जैन रेलवे स्टेशन पर सबसे अधिक ट्रेनों का ठहराव प्लेटफार्म क्रमांक 1 पर ही होता है। प्लेटफार्म पर ट्रेन से उतरने के बाद यात्री कुछ ही दूरी तय कर स्टेशन से बाहर निकल जाते हैं। उज्जैन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 1 से बाहर जाने के लिये मालगोदाम, यात्री प्रतीक्षालय, मेनगेट सहित अन्य रास्ते हैं इस कारण यात्रियों को सामान लेकर अधिक दूरी तक चलना भी नहीं पड़ता।

घर चलाना तक मुश्किल हो रहा है

मुकेश सूर्यवंशी बताते हैं कि रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है लेकिन सूटकेस, बैग या अन्य सामान उठाने के लिये यात्री कुलियों की मदद नहीं लेते। रेलवे पार्सल का सामान ट्रेन में चढ़ाने उतारने का काम ही मिल रहा है। ऐसी स्थिति में घर चलाना, बच्चों की पढ़ाई आदि काम प्रभावित हो रहे हैं। अधिकांश कुली चाहते हैं कि रेलवे उन्हें गैंगमेन की नौकरी पर रख ले ताकि जीवन यापन हो सके। रेलवे कुलियों को छह माह में एक बार ट्रेन में पत्नी के साथ जनरल कोच में यात्रा की सुविधा देती है इसके अलावा मेडिकल सुविधा भी कुलियों को मिलती है।मुकेश सूर्यवंशी बताते हैं कि रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन हजारों यात्रियों का आवागमन होता है लेकिन सूटकेस, बैग या अन्य सामान उठाने के लिये यात्री कुलियों की मदद नहीं लेते। रेलवे पार्सल का सामान ट्रेन में चढ़ाने उतारने का काम ही मिल रहा है। ऐसी स्थिति में घर चलाना, बच्चों की पढ़ाई आदि काम प्रभावित हो रहे हैं। अधिकांश कुली चाहते हैं कि रेलवे उन्हें गैंगमेन की नौकरी पर रख ले ताकि जीवन यापन हो सके। रेलवे कुलियों को छह माह में एक बार ट्रेन में पत्नी के साथ जनरल कोच में यात्रा की सुविधा देती है इसके अलावा मेडिकल सुविधा भी कुलियों को मिलती है।

यह है कुलियों की परेशानी

मुकेश सूर्यवंशी बताते हैं कि उनके पिता यहां कुली का काम करते थे। उनके बाद अनुकंपा नियुक्ति मिली है। पुराने समय में एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिये सीढ़ियों का उपयोग होता था। वर्तमान में रेम्प बना दिये गये हैं, सभी प्लेटफार्म पर लिफ्ट है इसके अलावा एस्केलेटर भी लग गये हैं। ऐसे में अधिकांश यात्री अपना बैग, सूटकेस व अन्य सामान स्वयं ही एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म तक ले जाते हैं। पहले पिट्ठू बैग, ट्राली बैग भी नहीं थे। अब बड़े से बड़े ट्रॉली बैग भी यात्री स्वयं ही खींचकर ले जाते हैं।

राठौर समाज का अखिल भारतीय परिचय सम्मेलन होगा

उज्जैन। समाज के अविवाहित लड़के-लड़कियों के रिश्ते तय करवाने के लिए अखिल भारतीय परिचय सम्मेलन जल्द होगा। यह निर्णय रविवार को अखिल भारतीय राठौर क्षत्रिय महा सभा की बैठक में लिया गया। अधिवेशन में देश के विभिन्न प्रांतों से करीब 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवेशन का शुभारंभ महासभा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम राठौर की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि अवधेशानंद महाराज तथा तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष केबिनेट मंत्री रामकरण साहू ने किया। अतिथि बतौर विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, चिंतामण मालवीय, पार्षद योगेश्वरी राठौर, भाजपा जिला महामंत्री संजय अग्रवाल भी उपस्थित थे।अधिवेशन के प्रथम सत्र में महासभा के महामंत्री राजकुमार राठौर ने सभा के उद्देश्य, गत बैठक में लिए फैसलों वा आगामी रूपरेखा की जानकारी दी। इस दौरान केबिनेट मंत्री राम करण साहू ने समाज की उन्नति के लिए प्रयास करने की बात कही। विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा ने राठौर समाज को प्रगतिशील बताया। चिंतामण मालवीय ने राठौर समाज के मतदाताओं की चुनाव के समय महत्वपूर्ण भूमिका बताई। अधिवेशन में ग्वालियर, शिवपुरी, छतरपुर, जयपुर, कोटा, कोलकाता, हरदा सहित अनेक क्षेत्रों से आई प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। जिसमें प्रशासनिक अधिकारी, राज नेता, पत्रकार से लेकर न्यायिक क्षेत्र के मजिस्ट्रेट तक शामिल थे। कर्मवीर सम्मान इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार राजेश राठौर को दिया।महासभा में देश के सभी क्षेत्रों में सदस्यता बढ़ाने की बात भी कही गई। अधिवेशन का संचालन भूपेश राठौर कोटा ने किया। आभार मोहनलाल राठौर ने माना। यह जानकारी महासभा के संगठन मंत्री राजेन्द्र राठौर ने दी।

मुख्यमंत्री ने भेजा संदेश

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आमंत्रित थे। लेकिन परिस्थितिवश न आने पर उन्होंने संजय अग्रवाल के मोबाइल से ऑनलाइन कांफ्रेंस पर समाजजनों को संबोधित करते कहा कि राठौर समाज की राजनीतिक, व्यापारिक, औद्योगिक तथा प्रशासनिक क्षेत्र में काफी अहम भूमिका है। उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम पर सभी को बधाई देता हूं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक शुभम द्वारा विधायक नगर, पंवासा मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.) पिन-456010 से प्रकाशित तथा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, सामने दारू गोदाम, आगर रोड उज्जैन (म. प्र.) से मुद्रित ।
संपादकः- शुभम मोबाइलः- 95891-77176
(सभी वाद विवादओ का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)।